स्वामी विवेकानंद के जीवन पर हुई निबंध स्पर्धा में दीपिका कसेरा प्रथम

रतलाम | स्वामी विवेकानंद का जीवन सिद्धांतों से परिपूर्ण है जो हमें अपने जीवन में चरितार्थ करने जैसा है, जो हमें सिखाता है उठो, आगे बढ़ो, रुको नहीं जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो। ऐसा ही हमें गुरुओं से सीखने को मिलता है। हमें उनके बताएं मार्गों को भी अपने जीवन में प्रशस्त करना चाहिए।

यह बात रेडक्रॉस चेयरमैन प्रीतेश गादिया ने कहीं। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी का 6 से 12 जनवरी तक चल रहे सेवा सप्ताह के तहत शासकीय कन्या महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के जीवन पर निबंध स्पर्धा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गादिया ने की। कार्यक्रम की जानकारी संस्था के वाइस चेयरमैन सुशील मूणत ने दी। स्वागत भाषण

बरमेचा, गोपाल जोशी, डॉ. मानिक डांगी, डॉ. सुनीता श्रीमाल, प्रो. वंदना नामदेव, प्रो. सुनीता जैन, प्रो. निशा निसावत, डॉ. सौरभ गुर्जर, डॉ. रोशनी रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

APP
Applications are invited
Associate Professor a
(CS, IT, AIML, DS, Cyber,
Pharmacy, Law, Phys
Biotechnology, Econom
Microbiology, Journalis
Business Communic
Happiness & Well-Be
Interested candid